

चंबल पर 2.3 किमी एक्वाडक्ट का निर्माण जून 2०28 तक पूरा होगा- भजनलाल

राम जलसेतु लिंक के प्रथम चरण में बन रहे एक्वाडक्ट पर 2,330 करोड़ रूपए खर्च होंगे

जयपुर, 18 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व और सतत् प्रयासों से प्रदेश की महत्वाकांक्षी राम जलसेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना) मिशन मोड पर आगे बढ़ रही है। जल सुरक्षा की दिशा में मील का पत्थर साबित होने वाली परियोजना के तहत चम्बल नदी पर 2.3 किलोमीटर लम्बाई में एक्वाडक्ट का निर्माण किया जा रहा है। यह जून, 2028 तक बनकर तैयार हो जाएगा।

मुख्यमंत्री शर्मा के मार्गदर्शन में परियोजना से संबंधित कार्य तीव्र गति से किए जा रहे हैं। इसके प्रथम चरण के पैकेज-2 के अंतर्गत, 2 हजार 330 करोड़ रुपये की लागत से एक्वाडक्ट बनाया जा रहा है।

यह चम्बल एक्वाडक्ट एक छोर में कोटा जिले की दीगोद तहसील के पीपलदा समेल गांव और दूसरे छोर में बूंदी जिले की इन्द्रगढ़ तहसील के गोहाटा गांव से जुड़ेगा। इसके माध्यम से कालीसिंध पर निर्मित नवनेरा बैराज से पानी पम्प हाउस से लिफ्ट कर मेज नदी में छोड़ा जाएगा। इसके बाद मैज बैराज से पम्प हाउस व फीडर के जरिए गलवा बांध तक और वहां से बीसलपुर और ईसरदा बांध में पहुंचाया जाएगा। इस एक्वाडक्ट के बनने से आमजन को



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

आवागमन के लिए अतिरिक्त मार्ग भी उपलब्ध होगा।

2280 मीटर लम्बे एक्वाडक्ट की आंतरिक चौड़ाई 41.25 मीटर और ऊंचाई 7.7 मीटर प्रस्तावित है। मई, 2025 में कार्य शुभारंभ के बाद से ही तेजी से कार्य किया जा रहा है।

निर्माण स्थल पर कैप एवं बैचिंग

प्लांट का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। एक्वाडक्ट हेतु प्रस्तावित 15 टेस्ट पाइल में से 8 टेस्ट पाइल का कार्य पूर्ण हो चुका है। कुल 5060 वर्किंग पाइल प्रस्तावित हैं, जिनमें से लगभग 860 पाइल का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। प्रतिदिन 15-20 पाइल का कार्य 12 रिग

- इस परियोजना के प्रथम चरण में राज्य के 17 जिलों की लगभग 3 करोड़ 25 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही सिंचाई व उद्योग के लिए भी जल उपलब्ध होगा।**

मशीनों की सहायता से किया जा रहा है। औसतन 5०० क्यूबिक मीटर कंक्रीट कार्य प्रतिदिन किया जा रहा है। साइट पर लगातार शिफ्टों में कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ईआरसीपी को वृहद स्वरूप देते हुए राम जलसेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना) (लगभग 90 हजार करोड़ रूपए) तैयार की गई है। परियोजना के प्रथम चरण में राज्य के 17 जिलों की लगभग 3 करोड़ 25 लाख आबादी को पेयजल सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही, सिंचाई एवं उद्योगों के लिए भी जल उपलब्ध होगा। इससे प्रदेश के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई दिशा मिलेगी।

‘प्रतीकात्मक रूप से भी नोबेल पुरस्कार हस्तांतरित नहीं किया जा सकता’

वाशिंगटन, 18 जनवरी। साल 2025 में शांति का नोबेल पुरस्कार जीतने वाली वेंनेजुएला की नेता मारिया मचादो द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपना प्राइज ट्रॉसफर करने पर नोबेल कमेटी का बड़ा बयान सामने आया है। नोबेल फाउंडेशन ने कहा कि हमारा एक मुख्य उद्देश्य नोबेल पुरस्कारों की गरिमा और उनकी प्रशासनिक प्रक्रिया का रक्षा करना है। फाउंडेशन अल्ट्रेड नोबेल की वसीयत और उसके प्रावधानों का सख्ती से पालन करता है। वसीयत में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पुरस्कार उन व्यक्तियों को दिए जाएंगे, जिन्होंने “मानवजाति को सबसे बड़ा लाभ पहुंचाया हो”। कमेटी ने कहा कि यह भी निर्धारित किया गया है कि प्रत्येक पुरस्कार किस संस्था या समिति को प्रदान करने का अधिकार है।

राज्य के 2० दिग्गज नेता भाजपा अध्यक्ष के प्रस्तावक बनेंगे

जयपुर, 18 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया तेज हो गई है। पार्टी के घोषित कार्यक्रम के अनुसार 19 जनवरी की नामांकन दाखिल किए जाएंगे, जबकि 2० जनवरी को परिणाम घोषित होंगे। मौजूदा समय में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन इस पद के सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं और उनके निर्विरोध चुने जाने की संभावना जताई जा रही है।

नामांकन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के प्रस्तावक के रूप में मौजूद रहने की संभावना है। इस पूरे चुनावी घटनाक्रम

केवाईसी के नाम पर क्रेडिट कार्ड का क्लोन बना लाखों की ठगी

जयपुर, 18 जनवरी। महेश नगर थाना इलाके में क्रेडिट कार्ड का क्लोन बनाकर केवाईसी के नाम से लाखों रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ मामला दर्ज कर जांचशुरू कर दी है। थानाधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि थाना इलाके में स्थित अवधपुरी निवासी सुमन लाल महावर (41) ने मामला दर्ज कराया है कि उसके पास एसबीआई बैंक का क्रेडिट कार्ड है। क्रेडिट कार्ड की केवाईसी करवाने के नाम पर उनके पास लगातार कॉल आ रहे थे। कॉल करने वाले ने खुद को एसबीआई बैंक का प्रतिनिधि बताया और केवाईसी के लिए उसके मोबाइल पर लिंक भी भेजा। अज्ञात ठग ने बातों में उलझा कर क्रेडिट कार्ड की सारी जानकारी जुटा ली और क्रेडिट कार्ड का क्लोन तैयार कर, दो लाख 6० हजार रूपए निकाल लिए। पीड़ित को मामले की जानकारी उसके मोबाइल पर आए मैसेज से चली, जिसके बाद पीड़ित ने अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ थोखाछुड़ी कर उसके कार्ड से पैसे निकालने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया।

डिफेन्स सैक्टर को हम आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं- राजनाथ सिंह

- रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक डिफेन्स एक्सपोर्ट 50 हजार करोड़ रूपए का हो जाए**

नागपुर, 18 जनवरी। केन्द्रीय रक्षा

मंत्री राजनाथ सिंह ने बिना नाम लिए

पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान और चीन पर

निशाना साधते हुए कहा कि हमारा

पड़ोसी जरा सिरफिरा है, कब

हरकत कर दे, कुछ

कहा नहीं जा

सकता, न जाने कब

हमें हथियारों की

जरूरत पड़ जाए।

नागपुर, 18 जनवरी। केन्द्रीय रक्षा

मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने

संबोधन में कहा कि डिफेंस सेक्टर की

हम लोग आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं,

प्रधानमंत्री बार-बार इसका आग्रह

कर रहे हैं। एक समय था कि पूरा का पूरा

डिफेंस सेक्टर पब्लिक सेक्टर तक

सीमित था, प्राइवेट सेक्टर के बारे में तो

कोई सोच भी नहीं सकता था। लेकिन

प्राइवेट सेक्टर की पोर्टेयिलिटर पर हमको

पूरा भरोसा था, विश्वास था, हर जगह

फोकस्ड डेवलपमेंट की धारा बह रही है,

शिक्षक से लेकर तकनीक तक, हर क्षेत्र

में प्राइवेट सेक्टर अहम भूमिका निभा

सोलह लोगों को कुचलने वाला ऑडी चालक गिरफ्तार

पुलिस ने रविवार को रिंग रोड पर चलाये गये सर्च ऑपरेशन में उसे पकड़ा

- आरोपी ऑडी चालक ट्रक ड्राइवर से लिफ्ट लेकर करनाल व हरिद्वार चला गया था। पैसे खत्म होने के बाद वापस लौटा था और रिंग रोड क्षेत्र में घूम रहा था।**

जयपुर, 18 जनवरी। पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 9 जनवरी को मानसरोवर के खरबास सर्किल पर ऑडी कार से 16 लोगों को रौंदने वाले मुख्य आरोपी चालक दिनेश रणवा (32) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर 25 हजार रूपए का इनाम घोषित था। पुलिस ने रविवार को रिंग रोड पर चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान उसे दबोच लिया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण

राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि आरोपी

दिनेश रणवा निवासी दूधवाखारा जिला

चूरू हादसे के बाद से फरार था। पुलिस

जांच में सामने आया कि घटना के

अगले दिन वह गोनेर से पैदल ही भाग

निकला। कैमरों से बचने के लिए रिंग

रोड के किनारे-किनारे पैदल चलता

रहा। करीब 7-8 घंटे पैदल चलने के

बाद जंगल में झाड़ियों के बीच थक कर

- आरोपी ऑडी चालक ट्रक ड्राइवर से लिफ्ट लेकर करनाल व हरिद्वार चला गया था। पैसे खत्म होने के बाद वापस लौटा था और रिंग रोड क्षेत्र में घूम रहा था।**

रुक गया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि चोटिल होने और लगातार भागने से वह बेहद थक गया था। आस पास भेड़ चराने वालों से मांग कर खाना खाया और रात उनके पास ही सो गया। इसके बाद एक ट्रक चालक से लिफ्ट लेकर पहले करनाल (हरियाणा) और फिर हरिद्वार

पहुंचा। पैसे खत्म होने पर वह वापस राजस्थान लौटा और जयपुर के पास रिंग रोड क्षेत्र में घूमता रहा। पुलिस जांच में सामने आया कि दिनेश हाईवे किनारे होटल-ढाबों और ट्रक रुकने की जगहों पर फरारी काट रहा था। उसे पकड़ने के लिए पुलिस ने करीब 1०0 किलोमीटर क्षेत्र में लगे 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। रिंग रोड, स्लिप रोड, ढाबों और ट्रक स्टॉप्स पर सघन सर्च ऑपरेशन चलाया गया। आरोपी के सोलार प्लॉट साइट्स पर भी दबिश दी गई। आखिरकार रविवार को रिंग रोड पर वह पुलिस के हथ्थे चढ़ गया। गौरतलब है कि 9 जनवरी को दिनेश रणवा ने तेज रफ्तार ऑडी कार को मानसरोवर के खरबास सर्किल पर सड़क किनारे लगे स्टॉलों में घुसा दिया था। हादसे में 16 लोग चपेट में आ गए, जिनमें एक युवक की मौत हो गई थी।

मकान मालिक के 52 लाख चुराने वाला नौकर गिरफ्तार

जयपुर, 18 जनवरी। बजाज नगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मकान मालिक के घर से घरेलू नौकर द्वारा 52.50 लाख रूपए नकद चोरी करने के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपी नौकर को बिहार से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की राशि बरामद कर ली है। भारी रकम होने के कारण नकदी को जयपुर लाने के लिए हथियारबंद जवानों की विशेष टीम भेजी गई।

एसीपी विनोद शर्मा ने बताया कि देवनगर निवासी निखिल अग्रवाल ने 12 जनवरी को बजाज नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि वे परिवार सहित 1 जनवरी को बाहर गए थे, इसी दौरान

- पुलिस ने आरोपी नौकर को बिहार से गिरफ्तार किया तथा चोरी की रकम बरामद की।**

उनके घर से नकदी चोरी हो गई। उन्होंने अपने घरेलू नौकर पर संदेह जताया था। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिसमें एक व्यक्ति दीवार फांदकर घर में घुसता नजर आया। परिवार ने फुटेज के आधार पर उसकी पहचान घरेलू नौकर मंडू उर्फ रामू उर्फ मनोज ठाकुर के रूप में की। तकनीकी विश्लेषण से आरोपी की लोकेशन बिहार में मिलने पर पुलिस टीम को बांका जिले के देवंडीह गांव भेजा गया, जहां बिहार पुलिस की मदद से चालीस वर्षीय मन्दू उर्फ रामू उर्फ मनोज ठाकुर निवासी बेलहर जिला बांका (बिहार) को हिरासत में लिया गया।

एसीपी शर्मा ने बताया कि परिव्रादी ने रिपोर्ट में करीब 22 लाख रूपए चोरी होने की जानकारी दी थी, लेकिन पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि उसने मकान मालिक के विदेश जाने के दौरान ताले तोड़कर 52.5० लाख रूपए चुराए थे। आरोपी का अंदाज काफी की अदालत में पेश कर ट्रांजिट रिमांड पर लिया गया। रकम अधिक होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से एक अलग हथियारबंद टीम को बिहार भेजा गया, जो आरोपी और नकदी को सुरक्षित जयपुर लेकर आई।

दिल्ली में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा

सफदरगंज में कोहरे के कारण दृश्यता शून्य रही तथा पालम में 100 मीटर दर्ज हुई

नयी दिल्ली, 18 जनवरी। राष्ट्रीय राजधानी के सफदरजंग में रविवार सुबह घने कोहरे के कारण दृश्यता शून्य हो गई, जबकि पालम में यह 1०0 मीटर दर्ज की गयी।

मौसम विभाग ने कहा कि दिल्ली के कुछ हिस्सों में शीतलहर जारी है और कई केन्द्रों में न्यूनतम तापमान कम दर्ज किया गया है। विभाग के आंकड़ों के अनुसार, रविवार सुबह सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस, पालम में न्यूनतम तापमान 8.० डिग्री सेल्सियस और आया नगर में 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

विभाग ने कहा कि दिल्ली के कई हिस्सों में बहुत घना कोहरा छापे रहने का अनुमान है और ऐसी स्थिति सुबह और रात के घंटों के दौरान जारी रहने के

- मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार-पांच दिन उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में घने कोहरे की स्थिति बनी रहेगी।**

आसार है। मौसम विभाग ने मौजूदा स्थिति के मद्देनजर लोगों से सावधानी रखने के आग्रह किए हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने के आसार हैं। इसके बाद अगले छह दिनों में तापमान धीरे-धीरे 2-3 डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है। अगले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान सामान्य

से काफी नीचे रहने का अनुमान है। वहीं 21 और 22 जनवरी को सामान्य से नीचे और 19, 20 और 23 जनवरी को सामान्य से ऊपर रहेगा। अगले पांच दिनों तक अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने के आसार हैं, जिसके बाद यह सामान्य हो जाएगा। विभाग ने बताया है कि अगले सप्ताह के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में शीतलहर की संभावना नहीं है। मौजूदा पश्चिमी विक्षोभ 18 जनवरी तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करता रहेगा, जबकि 19 और 21 जनवरी, 2026 को उत्तर-पश्चिम भारत में दो और विक्षोभ आने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार से पांच दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में घने कोहरे की स्थिति बनी रहेगी।

कोई नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

“एकनाथ शिंदे ने ताज होटल को जेल बना दिया है। वहां लगभग 25 से 29 पापंदों को इस डर से बंधक बनाकर रखा गया है कि कोई उन्हें किडनैप कर लेगा या धमकाएगा।”

उन्होंने मांग की कि उन लोगों को तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। संजय राज ने भाजपा और शिंदे गुट के गठबन्धन में दखल होने का संकेत देते हुए बड़ा दावा किया। राज ने कहा कि कोई नहीं चाहता कि मुंबई में भाजपा का मेयर बने, यहां तक कि खुद एकनाथ शिंदे भी ऐसा नहीं चाहते।

उन्होंने यह कहकर खलबली मचा दी कि शिंदे गुट के कई पाषण्ड युवती शिवसेना के संपर्क में हैं। राज ने साफ कहा, "हमारे संपर्क में कई लोग हैं।"

पूर्णतया डॉलर पर अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खुद को खतरे में पा सकती है।

भारत, जो अपने कच्चे तेल का चार-पांचवां (4/5) हिस्सा आयात करता है, रूस के साथ लंबे समय से डिफेंस संबंध बनाए रखता है और वेस्ट एशिया, अफ्रीका और यूरेशिया के साथ बढ़ता हुआ ट्रेड करता है, उसके लिए बिना रूकावट वाले पैमेंट चैनल पक्का करना एक स्ट्रेटेजिक चिंता बन गया है। ब्रिक्स ब्रिज को, इंटरनेशनल बैंक का उल्लंघन किए बिना, या डिप्लोमैटिक टकराव को भड़काए बिना इस कमजोरी को कम करने के एक तरीके के तौर पर देखा जा रहा है।

इस प्लेटफॉर्म को खुद एक डिजिटल, मल्टीलेटरल सेटलमेंट मैकेनिज्म के तौर पर देखा गया है, जो हिस्सा लेने वाले देशों को अपनी लोकल करेंसी में क्रॉस-बॉर्डर ट्रांज़ेक्शन करने की इजाजत देता है, जिसमें बाद के स्ट्रेज में सेंट्रल बैंक की डिजिटल करेंसी को इंटीग्रेट करने की क्षमता है। स्विफ्ट के विपरीत, जो मुख्य रूप से फाइनंशियल मैसैजिंग की सुविधा देता है और अभी भी वेस्टर्न बैंकों के जरिए डॉलर क्लियरिंग की जरूरत होती है, ब्रिज का मकसद फाइनंशियल इंस्टीट्यूशून्स के बीच डायरेक्ट सेटलमेंट को मुमकिन बनाना है। थ्योरी के हिसाब से, इससे

इंडियन इंपोर्ट और एक्सपोर्ट न्यूयॉर्क या लंदन के जरिए भुगतान भेजे बिना लेनदेन कर संकेते।

यह तरीका भारत की हालिया पॉलिसी ट्रेजेक्टरी से काफी मिलता-जुलता है। पिछले कुछ सालों में, रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने इंटरनेशनल ट्रेड में रुपये के इस्तेमाल को बढ़ाने के लिए सावधानी भरे कदम उठाए हैं, जैसे रुपए में सेंट्रलमेंट की व्यवस्था, द्विपक्षीय व्यापार के लिए विशेष वोस्ट्रो खाते और डिजिटल रुपए का पायलट प्रोजेक्ट। इसलिए ब्रिक्स ब्रिज भारत की फाइनंशियल स्ट्रैटेजी से कोई बड़ा बदलाव नहीं है, बल्कि करेंसी डाइवर्सिफिकेशन की दिशा में इसके धीरे-धीरे और सोच-समझकर किए गए प्रयासों का एक लॉजिकल एक्सटेंशन है।

ब्रिक्स फाइनंशियल इनिशिएटिव में भारत की भागीदारी हमेशा से संयम से पहचानी गई है। चीन या रूस के विपरीत, नई दिल्ली दुनिया की रिजर्व करेंसी के तौर पर डॉलर को बदलने की कोशिश नहीं कर रहा है और न ही वह डी-डॉलरराइजेशन को पश्चिम के साथ जियोपॉलिटिकल मुकाबले के तौर पर देखना चाहता है। इसके बजाय, भारत का मकसद रिस्क मैनेजमेंट है। दूसरे पैमेंट सिस्टम को सपोर्ट करके, वह यह

पक्का करना चाहता है कि ऊर्जा, उर्वरक, रक्षा उपकरण और अन्य जरूरी वस्तुओं का व्यापार भू-राजनीतिक तनाव के समय भी जारी रह सके। रूस से रियायती तेल की बड़ी हुई खरीद के दौरान यह साफ दिखा, जब बैंक से जुड़ी रूकावटों के बावजूद ट्रेड को चालू रखने के लिए नए सेटलमेंट मैकेनिज्म बनाने पड़े। ट्रेड से जुड़े साफ फायदे भी हैं। ब्रिक्स मेंबर्स और बड़े ग्लोबल साउथ के साथ भारत का इकोनॉमिक जुड़ाव लगातार बढ़ा है, और इनमें से कई अर्थव्यवस्थाओं को डॉलर की लगातार कमी या ग्लोबल लिक्विडिटी तक, अस्थिर एक्सेस का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय मुद्रा में सेटलमेंट का प्लेटफॉर्म ट्रांज़ेक्शन कॉस्ट कम कर सकता है, डॉलर के उतार-चढ़ाव का रिस्क कम कर सकता है और भारतीय बिजनेस, खासकर छोटे और मीडियम एक्सपोर्टर्स, जो नए मार्केट में एंटी करना चाहते हैं, के लिए सेटलमेंट साइकिल को छोटा कर सकता है।

साथ ही, भारत ब्रिक्स के अंदर के समीकरणों को लेकर बहुत ज्यादा सतर्क है। यह रुपये की बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय भूमिका का टेस्ट करने के लिए एक कंट्रोल्ड माहील प्रदान करता है, जिसके लिए रिजर्व-करेंसी का खुले पाने की इच्छा रखने के बजाय, खूबे कैपिटल मार्केट और लगातार कंट-अकाउंट

भारत ऐसे किसी भी फ्रेमवर्क से सावधान है, जो युआन-डोमिनेटेड डिजेलिस्ट्रम में बदल सकता है। यही वजह है कि नई दिल्ली ब्रिक्स ब्रिज के लिए बहुमुद्रा और नियम आधारित ढांचे पर जोर देती है और रजि स्ट्रिक्टर के बजाय धीरे-धीरे आगे बढ़ना पसंद करती है। भारतीय पॉलिसी बनाने वाले भी इस प्लेटफॉर्म की सीमाओं को समझते हैं। ब्रिक्स ब्रिज स्विफ्ट का विकल्प बनने से बहुत दूर है। कई सदस्य देशों में गहरे और लिक्विड फाइनंशियल मार्केट की कमी, असमान रेगुलेटरी स्टैंडर्ड, करेंसी में उतार-चढ़ाव और साइबर सैक्योरिटी और डेटा गोवर्नंस से जुड़े अनसुलझे सवाल, ये सभी इसकी तुरंत उपयोगिता को सीमित करते हैं। भारत का अपना कैपिटल अकाउंट की पूरी तरह से कन्वर्टिबल नहीं है, जिससे यह सीमित हो जाता है कि रुपये को कितनी आक्रामकता से ग्लोबल मंच पर आगे बढ़ाया जा सकता है।

फिर भी भारत के लिए, यह पहल एक और महत्वपूर्ण मकसद पूरा करती है। यह रुपये की बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय भूमिका का टेस्ट करने के लिए एक कंट्रोल्ड माहील प्रदान करता है, जिसके लिए रिजर्व-करेंसी का खुले पाने की इच्छा रखने के बजाय, खूबे कैपिटल मार्केट और लगातार कंट-अकाउंट

सरप्लस की आवश्यकता होती है। भारत व्यापार और सेटलमेंट में रुपये के फंक्शनल उपयोग को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इस दिशा में म्याऊ फायदे भी विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम करते हैं और मैक्रोइकोनॉमिक लचीलेपन को मजबूत करते हैं।

आखिरकार, ब्रिक्स ब्रिज को डॉलर के लिए एक बड़े चैलेंज के रूप में कम और लंबे समय के इरादे के संकेत के रूप में अधिक देखा जाना चाहिए। भारत की रणनीति क्रांतिकारी नहीं, बल्कि विकासवादी है। यह मौजूदा ग्लोबल फाइनंशियल सिस्टम में मजबूती से बने रहते हुए चुपचाप विकल्प बनाने के बारे में है।

डॉलर शायद, दशकों तक नहीं, तो सालों तक अपना दबदबा बनाए रखेगा। लेकिन भारत, कई उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं की तरह, अब नहीं चाहता कि उसका सारा फाइनंशियल प्ले एक ही गेजकीपर से होकर गुजरे। ब्रिक्स ब्रिज, भले ही अभी सीमित और शुरुआती चरण में हो, लेकिन यह फायदेमंद में रणनीतिक स्वायत्तता की भारत की व्यापक कोशिश को दर्शाता है, जैसा उसका रवैया कूटनीति और रक्षा में भी रहा है, जहां लचीलापन, संतुलन और विचारपूर्व, निवारणधारा या टकराव से ज्यादा मायने रखते हैं।

त्रिवेणी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

श्रद्धालुओं का साथ दिया और खिली-खिली धूप में लोग स्नान करते रहे। प्रशासन की तरफ से बताया गया कि आज शाम पांच बजे तक चार करोड़ से ज्यादा लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई। स्नान करने वाले लोगों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की गई।

मौनी अमावस्या का स्नान सबसे बड़ा स्नान पर्व होता है। मेला प्राधिकरण का अनुमान था कि आज के दिन तीन से साढ़े तीन करोड़ लोग स्नान करेंगे लेकिन दो बजे तक ही तीन करोड़ लोगों ने स्नान कर लिया था।

लिहाजा ये आकड़ा और बढ़े गा, बंदरगाह के गेट को बंदरगाह से बढ़ाना) का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे हुगली और आसपास के क्षेत्रों में नए आर्थिक अवसर पैदा होंगे।

कोलकाता शहर पर ट्रेफिक और लॉजिस्टिक का दबाव कम होगा और गंगा जलमार्ग के जरिए कागजों मूवमेंट में तेजी आएगी।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार बहुस्तरीय संपर्क और हरित चालन (ग्रीन मोबिलिटी) पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि बंदरगाह, नदी जलमार्ग,

माईन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हव्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, एच.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायन हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैं न रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रत सवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालौर कार्यालय :- जी 1/63, इन्स्टीटयल एरिया, फैस प्रथम, जालौर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424
हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600
चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

